

उपखण्ड—A / SECTION—A

1. निम्नलिखित में से प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 150 शब्दों में दीजिए :

Answer the following questions in about 150 words each :

10×5=50

- (a) "भारत में 'प्रसाद के सिद्धान्त' का पूर्णतः अनिर्बंधित उपयोग अस्तित्व में नहीं है।" सेवा विधिशास्त्र के सम्बन्ध में विस्तारपूर्वक कीजिए।

"The 'Doctrine of Pleasure' in its absolute unrestricted application does not exist in India." Elucidate with regard to service jurisprudence.

- (b) "यदि विधायन और प्रशासनिक कार्यों के न्यायिक पुनर्विलोकन की शक्ति को निराकृत अथवा अपहृत कर (हटा) दिया जाए, तो संविधान जैसा है, वैसा ही समाप्त हो जाएगा।" आलोचनात्मक मूल्यांकन कीजिए।

"If the power of judicial review of legislation and administrative actions is abrogated or taken away, the Constitution will cease to be what it is." Critically evaluate.

- (c) विधायी प्रक्रिया से आप क्या समझते हैं? संविधान के अन्तर्गत ऐसे किसी राज्यक्षेत्र, जो किसी राज्य में सम्मिलित नहीं है, के लिए किसी भी सूची में, किसी भी विषय पर, विधि-निर्माण किए जाने हेतु संसद को सशक्त किया गया है। व्याख्या कीजिए।

What do you understand by legislative process? Under the Constitution, the Parliament has been empowered to make law on any matter, in any list, for any territory not included in a State. Explain.

- (d) 'निदेशक तत्वों' में प्रयुक्त शब्द 'राज्य' का वही अर्थ है जैसा कि अनुच्छेद 12 द्वारा मूलभूत अधिकारों के प्रवर्तन के उद्देश्यों हेतु दिया गया है। यदि कोई अपवाद हो, तो उसके प्रकार में परीक्षण कीजिए।

The word 'State' used in the 'Directive Principles' has the same meaning as has been given to it by Article 12, for the purposes of enforcement of the Fundamental Rights. Examine in the light of exceptions, if any.

- (e) भारत में राष्ट्रपति का निर्वाचन लोगों द्वारा प्रत्यक्ष रूप से नहीं, बल्कि अप्रत्यक्ष निर्वाचन पद्धति द्वारा किया जाता है। व्याख्या कीजिए। यदि किसी कारणवश राष्ट्रपति के निर्वाचन के सम्बन्ध में कोई विवाद हो जाता है, तब उसका निपटारा कौन करेगा? विवेचना कीजिए।

The President in India is elected not directly by the people, but by the method of indirect election. Explain. Who will decide in case any dispute arises in connection with the election of the President? Discuss.

2. (a) "संविधान के अनुच्छेद 21 का निर्वाचन करते समय उच्चतम न्यायालय ने 'विधि की सम्यक् प्रक्रिया' की अवधारणा को अप्रत्यक्ष (परोक्ष) रूप से भारतीय संविधान में प्रविष्ट किया है, जिसके कारण इसकी परिधि का अत्यन्त ही विस्तार हो गया।" निदर्शक (प्रमुख) वाद-विधियों की सहायता से अपने उत्तर का समर्थन कीजिए।

"While interpreting Article 21 of the Constitution, the Supreme Court introduced the concept of 'due process of law' indirectly into the Constitution of India, and thereby expanded its scope considerably." Support your answer with the help of leading case laws.

20

- (b) "संविधानवाद' का मूल रूप में अर्थ होता है—'परिसीमित सरकार' अथवा 'सरकार पर परिसीमा'। यह मनमानी करने की शक्तियों की प्रतिस्थापना (ऐन्टीडीसिस) है।" विवेचना कीजिए।

"Constitutionalism' connotes in essence—'limited government' or 'a limitation on government'. It is the antithesis of arbitrary powers." Discuss.

15

- (c) "विधायिका को प्रत्यायोजित अधिनियम में ही आवश्यक नीति अथवा नीतिगत मानकों का निरूपण कर देना चाहिए, तत्परचात् प्रत्यायुक्त (प्रतिनिधि) विधायी नीति के अग्रसारण में विधि-निर्माण करेगा।" सुसंगत वाद-विधियों की सहायता से उक्त कथन की विस्तारपूर्वक व्याख्या कीजिए।

"The Legislature itself must set the essential policy, or lay down standards or policy in the Delegating Act and the delegate would then legislate to advance the legislative policy." Elaborate the statement with the help of relevant case laws.

15

3. (a) केशवानन्द, न्यायिक सृजनात्मकता तथा नीति-निर्माण में उच्चतम न्यायालय की उच्च-स्तरीय भूमिका का दृष्टान्त है और इसे गोलकनाथ के विनिश्चय में सुधार के रूप में देखा जा सकता है। सुसंगत तर्कों की सहायता से परीक्षण कीजिए।

Keshavananda illustrates judicial creativity and the policy-making role of the Supreme Court of a very high order and could be regarded to be an improvement over the formulation in Golaknath. Examine with the help of relevant arguments.

20

- (b) 'सांविधानिक शासन' एक ऐसी व्यवस्था है, जिसमें सरकार का प्राधिकार सीमित, परिभाषित तथा एक सर्वोच्च लिखित अथवा अलिखित संविधान द्वारा रचित है। भारतीय संविधान की छठवीं अनुसूची के विशेष सन्दर्भ में विश्लेषण कीजिए।

'Constitutional governance' is a system where government authority is limited, defined and structured by a supreme written or unwritten constitution. Analyze with special reference to the Sixth Schedule of the Indian Constitution.

15

✓ " 'प्रकृतिक न्याय' की अवधारणा भिन्नता की विषय-वस्तुओं की है तथा वह अलग-अलग मामलों में विभिन्न प्रक्रियात्मक मानक आरोपित करती है।" व्याख्या कीजिए।

"The concept of 'natural justice' is of variable content and imposes variable procedural norms from case to case." Explain.

15

4. (a) "भारत का उच्चतम न्यायालय एक बहु-अधिकारिता का न्यायालय है तथा इसे विश्व का सर्वशक्तिशाली शीर्ष न्यायालय कहा जा सकेगा।" उक्त कथन की सुसंगत संवैधानिक उपबन्धों की सहायता से व्याख्यान पढ़िए।

"The Supreme Court of India is a multi-jurisdictional Court and may be regarded as the most powerful Apex Court in the world." Justify this statement supported by relevant constitutional provisions.

20

- (b) "भारत में आपातकाल की उद्घोषणा के लिए बांछित सन्तुष्टि राष्ट्रपति की होनी चाहिए, न कि केन्द्रीय विधिदेह की।" क्या आप इस बात से सहमत हैं? आलोचनात्मक परीक्षण कीजिए तथा उद्घोषणा के प्रभावों की भी विवेचना कीजिए।

"It is the satisfaction of the President and not of the Central Cabinet, for proclamation of emergency in India." Do you agree with it? Critically examine and also, discuss about the consequences of such proclamation.

15

- (c) " 'ऑम्बुड्समैन' विधायी कार्य से उत्पन्न, प्रशासन या पर्यवेक्षण की व्यवस्था है।" उक्त कथन का भारत के परिप्रेक्ष्य में उदाहरणों की सहायता से विशदीकरण कीजिए।

"An 'Ombudsman' is the projection of the legislative function of supervising the administration." Elucidate this statement in Indian perspectives with the help of examples.

15

खण्ड—B / SECTION—B

5. निम्नलिखित में से प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 150 शब्दों में दीजिए :

Answer the following questions in about 150 words each :

10×5=50

- (a) क्या अन्तर्राष्ट्रीय विधि, 'विधि' शब्द के सही अर्थों में विधि है, अथवा नहीं? परीक्षण कीजिए।

Whether International Law is a law in the true sense of the term 'law' or not? Examine.

- (b) उन सिद्धान्तों का आलोचनात्मक परीक्षण कीजिए, जिन्हें अन्तराष्ट्रीय विधि तथा देशीय (राष्ट्रीय) विधि के मध्य सम्बन्ध की व्याख्या हेतु प्रतिपादित किया गया है।

Critically examine the theories which have been propounded to explain the relationship between International Law and Municipal Law

- (c) 'आश्रय (शरण)' क्या है? क्या किसी व्यक्ति को किसी अन्य देश में 'शरण का अधिकार', अधिरोदन से बचने के लिए शैथिल्य अधिकार है? व्याख्या कीजिए।

What is 'asylum'? Is 'Right to Asylum' a fundamental right of a person in other country to save from prosecution? Explain.

- (d) संयुक्त राष्ट्र की सुरक्षा परिषद् के स्थायी सदस्य द्वारा 'दोहरा वीटो' लगाए जाने से अलग क्या समझते हैं? संयुक्त राष्ट्र के निर्णय लेने की प्रक्रिया पर इसके प्रभाव की विवेचना भी कीजिए।

What do you mean by imposing 'Double Veto' by a permanent member of the Security Council of the United Nations? Also, discuss its impact on decision-making process of the United Nations.

- (e) 'राज्य उत्तराधिकार' तथा 'राज्य मान्यता' से अलग क्या समझते हैं? दोनों के मध्य अन्तर स्पष्ट कीजिए।

What do you understand by 'State succession' and 'State recognition'? Differentiate between them.

6. (a) "वर्तमान विश्व आर्थिक व्यवस्था, मुक्त बाजार की ताकतों के प्रभाव में दिशा-निर्देशित एवं मुक्त प्रतिस्पर्धा द्वारा चालित है। यह वस्तुओं तथा सेवाओं, जिसमें तकनीकी भी सम्मिलित है, के मुक्त आवागमन पर आधारित है।" इस मन्दर्भ में टैरिफ तथा व्यापार के सामान्य समझौता (GATT) के अन्तर्गत गैर-भेदभाव और मुक्त व्यापार के सिद्धान्तों की भूमिका की विवेचना कीजिए।

"The present world economic order is supposed to be guided by the operation of free market forces propelled by free competition, based on free movement of goods and services including technology." Discuss the role of the principle of non-discrimination and free trade under the General Agreement on Tariffs and Trade (GATT) in this regard.

20

- (b) 'हस्तक्षेप' के आधारों तथा इसके प्रकारों की विवेचना कीजिए। उन परिस्थितियों का वर्णन कीजिए, जिनके अन्तर्गत आत्म-प्रतिरक्षा के लिए विधि-सम्मत रूप से बल प्रयोग किया जा सकेगा। इसकी परिसीमाएँ भी दीजिए।

Discuss the grounds of 'intervention' and its types. State the circumstances under which lawful recourse to use of force for self-defence could be taken. Give its limitations also.

15

10. "अन्तर्राष्ट्रिय विधि को उस विधि के समूह के रूप में जाना जाता है, जो राज्य के व्यवहार के विषय में लागू होती है, जिन्होंने एक-दूसरे को अनुपालन करने के लिए बाध्य करने के लिए एक-दूसरे के प्रति बाध्य हैं और सामान्यतः उनका अनुपालन सुनिश्चित करते हैं।" व्याख्या कीजिए।
- "International Law may be defined as that body of law which is composed for its greater part of the principles and rules of conduct which States feel themselves bound to observe and, therefore, do commonly observe in their relation to each other." Explain.

11. (a) एन्जोलेस समुद्र का संलग्न क्षेत्र के अन्तर्गत 'कोर्नु वैनस डकेशन' से आरंभ तथा मजुस विधि के सिद्धान्तों की शिफा कीजिए। बर्लिन हेल्सुस महासम्मेलन (मोर और होल्सुस) सम्मेलन के अन्तर्गत से अपना अर्थपूर्ण रूप से कि वह एक विशेषीकरण की 'विधि यात्रा' के सिद्धान्त के अन्तर्गत से समुद्र विधि के समुद्र पर अन्तर्गत (1982) के अन्तर्गत, जो सम्मेलन का निराकरण किया जा सकता है। स्पष्टीकरण।

Discuss the facts and the Principles of the Law of the Sea, emerged in 'Corfu Channel Case', with reference to the territorial sea and contiguous zone. Give your opinion, how far the 'Strait of Hormus' problem could be resolved under the UN Convention on the Law of the Sea (1982) in the light of the principle of 'innocent passage' by foreign vessels. Explain.

- (b) अन्तर्राष्ट्रिय शक्ति और सुरक्षा का एक समूह के लिए समुद्र पर की सुरक्षा परिवर्त के गहन, शक्तिपूर्ण तथा कार्य की शिफा कीजिए।

Discuss the composition, powers and functions of the Security Council of the United Nations for the maintenance of international peace and security.

- (c) 'राष्ट्रियता' पर दो शीर्षकों कीजिए। किसी व्यक्ति द्वारा राष्ट्रीयता अर्जित किए जाने के विभिन्न तरीकों का वर्णन कीजिए। 'राष्ट्रियता' तथा 'प्रतिष्ठा' से अन्तर बताइए।

Define the term 'nationality'. State the various modes of acquisition of nationality by a person. Differentiate between 'nationality' and 'domicile'.

12. (a) "ब्रेटन वुड्स सम्मेलन, 1944 द्वारा अन्तर्राष्ट्रिय वित्तीय सहयोग और आर्थिक विकास के लिए, नयी अन्तर्राष्ट्रिय आर्थिक व्यवस्था को स्थापित किए जाने हेतु, दो संस्थाओं के स्वरूपों को अपनाया गया।" अर्जुन कवर की अन्तर्राष्ट्रिय पर के सम्बन्ध में विवेचना कीजिए।

"The Bretton Woods Conference, 1944 adopted the statutes of two institutions to promote New International Economic Order for international financial cooperation and economic development."

Discuss the above statement in terms of the International Forum.

- (11) भारत पर्यावरण के संरक्षण तथा वनों के लिए किया गया प्रयास (जंगल संरक्षण) के संबंध में पर्यावरण संरक्षण, 1987 के 'पूर्व तथा पश्चात्कर्षी' विचार की नींव तैयार कीजिए।

Discuss briefly 'pre and post' developments of Kyoto Environment Summit on Global Warming, 1997 for the protection and improvement of the human environment.

15

- (12) मानव अधिकारों से क्या हमें समझी है? इस नीति के अन्वेषण के पक्ष में, समझने की नींव, निम्नलिखित नीति की नींव दीजिए।

What do you mean by Human Rights? Discuss the procedure for the enforcement of Human Rights of a person as laid down under the International Law.

15

...